क्यासानूर फॉरेस्ट डज़ि़ीज़

[स्रोत: द हिंदू](#)

कर्नाटक में वायरल संक्रमण क्यासानूर फॉरेस्ट डज़ि़ीज़ (KFD) के प्रभाव के कारण वर्ष 2024 में अब तक दो व्यक्तियों की मृत्यु हो गई है।

- वर्तमान में इसके कारण होने वाली मौतों की संख्या 560 से अधिक है। वर्ष 1956 में **शिवमोग्गा ज़िले** के वनों में इस संक्रमण पता चला।

क्यासानूर फॉरेस्ट डज़ि़ीज़ (KFD) क्या है?

- **परिचय:**
  - क्यासानूर फॉरेस्ट डज़ि़ीज़ (KFD), एक जूनोटिक बीमारी है तथा यह सर्वप्रथम बंदरों में पाई गई थी जिसके परिणामस्वरूप इसे बोलचाल की भाषा में "मंकी डज़ि़ीज़" कहा जाता है।
  - यह **क्यासानूर फॉरेस्ट डज़ि़ीज़ वायरस (KFDV)** के कारण होता है जो मुख्य रूप से **मनुष्यों और बंदरों** को प्रभावित करता है।
    - इसकी पहचान सर्वप्रथम वर्ष **1957** में कर्नाटक के क्यासानूर वन के एक बीमार बंदर में की गई थी। तब से प्रतिवर्ष 400-500 व्यक्तियों के इससे संक्रमित होने के मामले दर्ज किये जाते रहे हैं।
    - अंततः KFD संपूर्ण पश्चिमी घाट में संचरित होती एक **गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या** के रूप में उभरी।
- **संचरण:**
  - प्राकृतिक परिवेश में यह विषाणु मुख्य रूप से हार्ड टिक्स (हेमाफिसैलिस स्पिनिगेरा), बंदरों, कृंतकों तथा पक्षियों में मौजूद रहता है।
  - मनुष्यों में यह संक्रमण **टिक (किलनी) के काटने** अथवा किसी संक्रमित जानवर (बीमार अथवा हाल ही में मृत बंदर) के संपर्क में आने के बाद फैल सकता है।
- **उपस्थिति:**
  - सामान्य तौर पर यह संक्रमण नवंबर के अंत से जून माह के बीच तक **शुरू** होता है तथा दिसंबर और मार्च के बीच चरम पर होता है।
- **लक्षण:**
  - इससे संक्रमित होने पर **ठंड लगना, सिर में दर्द,** शरीर में दर्द और पाँच से 12 दिनों तक तेज़ बुखार रहता है तथा इस मामले में मृत्यु दर **3 से 5%** है।
- **निदान:**
  - पोलीमरेज़ चेन रिएक्शन (PCR) द्वारा आणविक पहचान अथवा रक्त को विषाणु मुक्त कर इस बीमारी के **प्रारंभिक चरण** में इसका निदान किया जा सकता है।
  - तदोपरांत एंज़ाइम-लिंक्ड इम्यूनोसॉर्बेंट सेरोलॉजिकल एससे (ELISA) का उपयोग करके सीरोलॉजिकल परीक्षण किया जा सकता है।
- **उपचार एवं रोकथाम:**
  - किसी विशिष्ट उपचार के अभाव में डॉक्टर प्रतिदिन पाए जाने वाले लक्षणों का इलाज करते हैं तथा महत्त्वपूर्ण संकेतों पर नज़र रखते हैं।
    - राज्य सरकार के निर्णय के अनुरूप इससे पीड़ित मरीज़ों का **निशुल्क इलाज** किया जा रहा है।
  - KFDV की रोकथाम के लिये एक टीका (फॉर्मेलिन इनएक्टिवेटेड KFDV वैक्सीन) मौजूद है और इसका उपयोग भारत के स्थानिक क्षेत्रों में किया जाता है।
    - भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (ICMR) वैक्सीन के विकास के लिये इंडियन इम्यूनोलॉजिकल्स के साथ परामर्श कर रही है।
  - वन विभाग (N, N-डायथाइल फेनलिसेटामाइड) **DEPA तेल** का वितरण कर रहा है जिसे त्वचा पर **टिक (किलनी)** के काटने से बचाव के लिये लगाया जाता है।

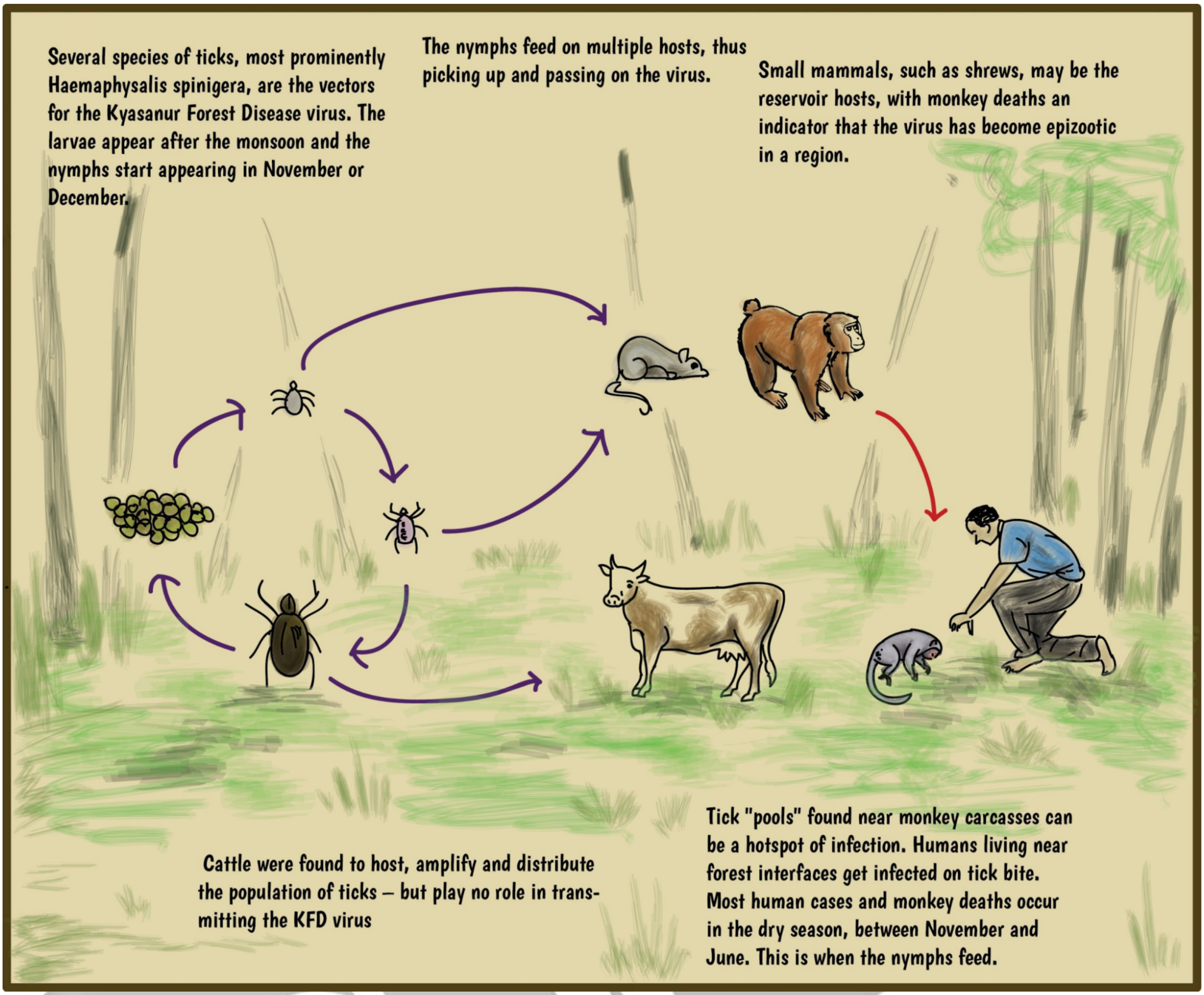

//

क्यासानूर वन:

- क्यासानूर वन कर्नाटक के शिमोगा ज़िले में स्थित एक संरक्षित क्षेत्र है।
- यह **पश्चिमी घाट** पर्वत शृंखला का हिस्सा है तथा अपनी समृद्ध जैवविविधता के लिये जाना जाता है।
- इस वन में विभिन्न प्रकार के पौधों और जानवर हैं जिनमें बाघ, तेंदुए, हाथी और गौर शामिल हैं।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

?????????:

प्रश्न: नमि्नलखिति पर वचिार कीजयि: (2018)

1. पक्षी
2. उड़ती धूल
3. वर्षा
4. बहती हवा

उपर्युक्त में से कौन-से पादप रोग फैलाते हैं?

(a) केवल 1 और 3
(b) केवल 3 और 4
(c) केवल 1, 2 और 4
(d) 1, 2, 3 और 4

उत्तर: (d)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/kyasanur-forest-disease-1